POOR HANDMAIDS OF JESUS CHRIST

कैथरीन कॉस्पर की संक्षिप्त जीवनी (इतिहास)

येसु ख्रीस्त की दीन सेविकाएँ

हमारे धर्मसमाज की स्थापना सन् 1851 ई. में हमारी संस्था की संस्थापिका संत कैथरीना कास्पर द्वारा हुई। उनका जन्म 26 मई सन् 1820 में वेस्टर्न लैण्ड, जर्मनी के एक छोटे से गाँव डेनबाख में हुआ। वे आठ भाई–बहनें थीं। उन में कैथरीना कास्पर का 7वाँ स्थान था। उनके माता–पिता साधारण जीवन बिताते थे। वे सर्वसाधारण परिस्थितियों में जीवन निर्वाह करते, बच्चों को प्रेम व धार्मिकता में जीने को सिखाया। उनके माता –पिता अत्यंत गरीब होने के कारण अपने बच्चों को केवल प्रारंभिक शिक्षा ही दिला सके। गरीब होने के कारण कैथरीना अक्सर बीमार रहती थी। अतः वह नियमित रूप से पाठशाला भी नहीं जा सकी। वह बीमार होने पर भी यथासंभव खेत में माता–पिता की सहायता करती थीं। उनके दिल में ईश्वर और पड़ोसी के प्रति प्रेम दया और दृढ़ विश्वास कूट–कूट कर भरा था। इन्हीं गुणों के कारण उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन ईश्वर को समर्पित कर दिया। अपने विश्वास एवं समर्पण के कारण जहाँ भी आवश्यकता होती थी उन्होंने हमेशा दूसरों की सहायता की। जिससे वे ईश्वर को जाने और ख्रीस्तीय विश्वास में अटल रहें।

वास्तव में कैथरीना कास्पर को संस्था शुरू करने के संबंध में कोई विचार नहीं था किन्तु ईश्वर की योजना ही ऐसी थी कि नव–युवतियाँ कैथरीना के कार्यों से प्रभावित होकर स्वयं ही ईश्वर की सेवा में आगे आयीं तो उन्होंने एक संगठन बनाया और कुछ नियम भी लागू किए। उन नियमों के पालन के माध्यम से उन्होंने अपने उददेश्यों को प्राप्त किया जो आज भी हमारे धर्म –समाज में बरकरार हैं।

उम्र के साथ–साथ कैथरीन ईश्वर के ज्ञान और प्रेम में आगे बढ़ने लगी। अपने पड़ोसियों के प्रति भी उनका प्रेम प्रगाढ़ था। पिता की मृत्यु के बाद परिवार बहुत गरीब हो गया। परिवार को सम्भालने के लिए कैथरीन ने दिहाड़ी – मज़दूरी करना आरम्भ किया। फुर्सत मिलने पर वह बच्चों को एकत्र करती थी। उन्हें प्रार्थना करना सिखाती थी, कभी–कभी तीर्थ यात्रा के लिए ले जाती थीं।

संत कैथरीना कास्पर और उनके चार मित्रों के प्रार्थनामय जीवन और प्रतिदिन के गतिविधियों को देखकर बिशप और अन्य लोग काफी प्रभावित हुए। अंततः यह संगठन अगस्त 15 सन् 1851 में सार्थक सिद्ध हुआ। कैथरीना कास्पर ने इस संस्था को "येसु ख्रीस्त की दीन सेविका" – धर्म समाज(नाम) रखा। धीरे–धीरे इस संस्था ने विभिन्न रूपों में सेवा काम आरंभ किया और ईश्वर की योजना को पूरा किया।

- गरीबों को भोजन बाँटना।
- अस्पताल में रोगियों की सेवा करना।
- विद्यालय में किताबी ज्ञान के साथ–साथ नैतिक शिक्षा देना।
- गाँवों में घूमकर सर्वे करना और उनके स्तर से जीवन जीने को सिखाना।
- नवयुवतियों के लिए छात्रावास खोलना और उनकी देख–रेख करना।
- वृद्धाश्रम में बड़े बूढ़े व बुजूर्गों की देख–रेख करना।
- अनाथों व रोगियों की सेवा करना।

- गरीब और पढ़ाई में कमजोर बच्चों को (*tution*) विशेष क्लास देना तथा बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना।
- समाज सेवा – जनता के मन में शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूकता और चेतना उत्पन्न करना।
- समाज के गरीबों और शोषितों के मन में न्याय और अधिकार के प्रति समाजिक जागरूकता उत्पन्न करना।
- इन्हीं कार्यों द्वारा हम सुसमाचार को लागों तक पहुँचाते हैं और संत कैथरीना कास्पर हमारे धर्म–समाज की संस्थापिका के पद्चिन्हों पर चलकर येसु का अनुसरण करते हैं।
- "यदि कोई मेरी सेवा करना चाहता है, तो वह मेरा अनुसरण करे।" (योहन 12:26)
- क्या आप ऐसे लोगों की सेवा करके प्रभु को देखना चाहते हैं? येसु को आप जैसे नवयुवतियों की जरूरत है। आइए आप उनके लिये हाथ–पाँव एवं मुख बनकर प्रभु के पद्चिन्हों पर चलते हुए उनके राज्य की घोषणा करें।
- अपनी अन्तर आत्मा की आवाज सुनें और आगे बढ़े एवं येसु खीस्त की दीन सेविका धर्म–समाज में प्रवेश करें। हम आपका हार्दिक स्वागत करते हैं।

कैरिज़्म / Charism –

"येसु खीस्त की दीन सेविकाएँ ईश्वर से प्रेरणा पाकर हम, जब कभी भी जहाँ भी हों, गरीबों, बीमारों और जरूरत मंदों की सेवा करने के लिए तत्पर रहतीं हैं।"

हमारी आध्यात्मिकता / Our Spirituality -

येसु खीस्त की दीन सेविकाओं (हमारी) की आध्यात्मिकता, येसु की माता मरियम के जीवन पर केन्द्रित है। वह हमेशा ईश्वर के निमंत्रण को तहे दिल से स्वीकारती और उसे पूरा करती थीं। उसी प्रकार हम भी अपने जीवन में "हाँ" कहते हुए आगे बढ़े और पूरा करें। संत कैथरीन कास्पर हमें प्रेरित करतीं हैं कि हमारा पूरा अस्तित्व ईश्वर की कृपा–दृष्टि पर निर्भर करती है।

- यह धर्म–समाज विभिन्न देशों में फैली है :– जर्मनी, इंग्लैंड,संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, भारत, मैक्सिको, केनिया, नाइजीरिया और ब्रजील में।
- हमारे देश भारत में मध्यप्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, झारखण्ड, उत्तरप्रदेश, केरल, तमिलनाडू, बंगलोर, इन (राज्यों) स्थानों में हमारी धर्मबहनें कार्यरत हैं।
- योग्यता – मैट्रिक, इंटर, बी.ए (द्वितीय श्रेणी) या अन्य प्रशिक्षण ...

क्या आपको बुलाहट महसूस होती है,
धार्मिक जीवन की ओर? तो हमसे संपर्क करें:
कैथरीन निवास, नौगांव,
रतलाम रोड, धार - 454001 म.प्र
मोबाइल: 8223038773, 709776844, 8319181895,
9893007394, 7347452109, 9893749857

हम ईश्वर को खोजते हैं -

आज हम हैं

जर्मनी, इंग्लैंड, नीदरलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, ब्राजील, मैक्सिको, केनिया और नाइजीरिया में सेंट कैथरीना की भावना से अपने मिशन को जारी रखे हुए हैं। वह अपने भीतर बोल रही भावना को सुनती थी। 16 अप्रैल, 1978 को पोप पॉल VI ने कैथरीना को धन्य घोषित किया और 14 अक्टूबर, 2018 को रोम में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत घोषित किया गया।

भगवान से पूछें कि वह आपसे क्या चाहता है और जवाब देने के लिए आप बहादुर हो।

येसु की जरूरत है कि आप उसके साथ चलें और उनके राज्य के लिए काम करें।

जिसको तुम प्रेम करते हो, पुकारता है, क्या आप जवाब देंगे?

संत कैथरीना कास्पर के पदचिन्हों पर चल कर येसु तक पहुँचने की यात्रा पूरी करें।

ईश्वर जिसने मुझे बनाया है PHJC की मण्डली के माध्यम मुझे धार्मिक जीवन के लिए बुला रहे हैं

क्या आप तैयार हैं मानवता की सेवा के लिए आप येसु के हाथ और पैर बनें?